फेडरेशन

अनुभव आदान–प्रदान कार्यशाला

6–7 सितम्बर, 2010

हिमालयी आजीविका सुधार परियोजना

272 C/II, **वसंत विहार, देहरादून**

फेडरेशन
अनुभव आदान–प्रदान कार्यशाला

सभी जनपदों के फेडरेशन अब धीरे–धीरे सशक्तता की ओर बढ़ रहे हैं। सभी फेडरेशन अपने – अपने क्षेत्र में उद्यमों को चिहिन्त कर उन पर काम की शुरूआत कर चुके हैं। मुख्यतः कृषि आधारित उद्यमों का चिहिन्करण किया गया है। इनमें इन्पुट–आउटपुट सेन्टर, कृषि उत्पादों का विपणन, डेयरी आदि शामिल हैं। चयनित कुछ फेडरेशन प्रतिनिधियों को परियोजना द्वारा रॉयटर्स मार्केट लाईट की SMS के जरिए हिन्दी भाषा मे मंडियों, मौसम व फसलों की जानकारी एवं कृषि समाचार सुविधा उपलब्ध करायी गई। ***SMS की सुविधा के सम्बन्ध में सभी फेडरेशन को जानकारी देने के उद्देश्य से रॉयटर्स मार्केट लाईट के साथ एक कार्यशाला आयोजित की गई इसके साथ ही कार्यशाला में अन्य विभिन्न परियोजनाओं/संस्थानों के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराने हेतु अन्य परियोजनाओं/संस्थानों को भी आमंत्रित किया गया जिससे फेडरेशन प्रतिनिधियों को बाजार की उपलब्धता एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी मिल सके।***
दिनांक– 6 एवं 7 सितम्बर, 2010 को होटल सुरभि देहरादून में उक्त दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जनपद बागेश्वर, अल्मोडा, चमोली, उत्तरकाशी तथा टिहरी से 24 सहकारिताओं के कुल 50 प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में प्रबन्धक–फेडरेशन विकास तथा मुख्यालय स्टाफ ने भी प्रतिभाग किया।

6 सितम्बर 2010

प्रातः कालीन प्रथम सत्र में कार्यशाला का शुभारम्भ दीपप्रज्ज्वलन के साथ किया गया। दीपप्रज्जवलन परियोजना निदेशक एवं पांचों जनपद से फेडरेशन के एक–एक प्रतिनिधि द्वारा किया गया। दीपप्रज्जवलन के उपरान्त प्रेरणादायक प्रार्थना **''इतनी शक्ति हमें देना दाता'** का गायन सभी प्रतिभागियों ने किया।

सभी प्रतिभागियों ने अपना परिचय देते हुए अपने फेडरेशन, जनपद एवं कलस्टर के बारे में बताया।

श्री पवन कुमार प्रबंधक– ज्ञान प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्यौगिकी द्वारा कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी तथा सहकारिता के अनुभवों के आदान प्रदान हेतु परियोजना द्वारा समय–समय पर इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है।

परियोजना निदेशक महोदया द्वारा सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि विषम परिस्थितियों में समय से कार्यशाला में आना इस बात का द्योतक है कि आपमें कितनी इच्छा शक्ति है। आपको फेडरेशन का महत्व समझना है। आगे बढ़ना है साथ ही अभी तक जो भी प्रयास हुए हैं उनका आंकलन करके देखना है। फेडरेशन को निरन्तर चलाना है परियोजना के बाद भी। स्वयं सहायता समूहों को साथ लेकर चलना है। फेडरेशन को स्थानीय संसाधनों का प्रयोग करते हुए छोटे–2 उद्यमों से शुरूआत करनी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समूह से फेडरेशन तक का सफर परियोजना के उद्देश्यों को अवश्य प्राप्त कर पाएगा।

श्री अजय शर्मा प्रबंधक–वित्त सेवाऐं द्वारा विभिन्न बैंकों द्वारा प्रायोजित योजनाएं जैसे गौरा देवी ऋण, कन्याधन, वेन्चर कैपिटल, किसान क्रेडिट कार्ड, नगद साख सीमा, टर्म लोन आदि योजनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई तथा उनसे संबंधित शंकाओं का समाधान किया गया। प्रतिभागियों द्वारा बैंक लिंकेज से सम्बन्धित अपनी समस्याओं पर भी चर्चा की।

जनपद टिहरी के फेडरेशन प्रगति स्वायत्त सहकारिता, देवट के सचिव श्री प्रकाश द्वारा विस्तृत रूप में सहकारिता द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में बताया गया। जिसमें उन्होंने मुख्य रूप से सी0एम0आर0ई0 के लिए स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के राशन कार्ड बनाये जिससे सभी सदस्य अपनी दुकान से सामान खरीदे और खरीद के आधार पर ही दुकान का लाभ सदस्यों को बांटा जायेगा, के बारे विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही फेडरेशन के कार्यालय भवन हेतु पंचायत प्रतिनिधि/स्थानीय विधायक से समन्वय किया जा रहा है।

श्री राजेश सेन प्रबंधक–सामाजिक विकास द्वारा स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों हेतु ईफको टोकियो की विभिन्न बीमा योजनाएं जैसे जनता बीमा, जन स्वास्थ्य योजना, जन कल्याण योजना, गृह सुविधा एवं व्यापार सुविधा योजना तथा जनश्री बीमा योजना के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी। साथ ही इस पर चर्चा की गई कि इन योजनाओं के माध्यम से समूह सदस्यों को एवं फेडरेशन को कैसे लाभान्वित किया जा सकता है। चर्चा के उपरान्त सभी फेडरेशन प्रतिनिधियों ने समूह कार्य के माध्यम से अपने–अपने फेडरेशन की कार्ययोजना बनायी।

गर्ग एंजेसी देहरादून तथा देहरादून के मै0 आत्माराम संजय कुमार आढ़ती द्वारा विभिन्न कृषि उत्पादों के विपणन की व्यवस्था से सम्बन्धित विभिन्न जानकारियां दी जैसे– आढ़ती क्रय कमीशन, वैट, मन्डी टैक्स, सेवा शुल्क, सेल्स टैक्स। प्रतिभागियों द्वारा आढ़तियों द्वारा किसानों के उत्पाद की बिक्री प्रक्रिया के बारे में विस्तार से चर्चा परिचर्चा की। इस चर्चा से ही स्पष्ट हुआ कि स्थानीय मंडियों में जैविक उत्पाद के मूल्य अलग से निर्धारित नहीं है। व्यापारियों ने कहा कि हम आपके साथ समन्वय करेंगे बिचौलिये की तरह नहीं। सामान की पैकिंग कम से कम 50 किग्रा0 की होनी चाहिए। उत्पाद का मूल्य निम्न आधार पर तय होता है :

- सरकार द्वारा न्यूनतम दरों का निर्धारण
- मंडियों में उत्पाद की आवत
- उत्पाद की गुणवत्ता
- उत्पाद की सफाई

किसानों को इन्पुट दिये जाने के सम्बन्ध में उन्होंने स्पष्ट किया कि आढ़तियों द्वारा इन्पुट नहीं दिया जाता।

कार्यशाला में समूहों हेतु तैयार किए गये एम0आई0एस0 के फीडबैक तथा उसके उपयोग के संबंध में डा0 सुरेश मठपाल प्रबंधक– अनुश्रवण एवं मूल्यांकन तथा सफल के प्रतिनिधि द्वारा जानकारी दी गई।

जनपद चमोली के पर्वतीय कृषि स्वायत्त सहकारिता द्वारा की जा रही गतिविधियों के बारे में सभी प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य रूप से सहकारिता द्वारा स्थापित डेयरी, टिफिन उ़द्यम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने चार्ट के माध्यम से डेयरी एवं टिफिन उद्यम को स्थापित एवं संचालन की प्रक्रिया के बारे विस्तार से जानकारी दी। ग्राफ के द्वारा भी स्पष्ट किया कि कैसे उनका उद्यम आगे बढ़ रहा है तथा कहां कहां समस्या आ रही है। उन्होंने बताया प्रत्येक माह के अन्त में सहकारिता बोर्ड की बैठक होती है जिसमें उद्यम संचालन की पूरी प्रक्रिया एवं लेनदेन पर चर्चा की जाती है। सभी सदस्य सहकारिता का हिसाब–किताब निकालते हैं। इससे सहकारिता में पारदर्शिता बनी हुई है।

श्री सतीश चंद्र लखचौरा महाप्रबंधक उत्तराखण्ड सूक्ष्म वित्त सहकारिता संस्थान द्वारा सहकारिता एवं सहकारिता लेखांकन से संबंधित विभिन्न धाराओं एवं अनुसूचियों पर प्रकाश डालते हुए सहकारिता में रखे जाने वाले रिकार्ड तथा उनके लेखांकन हेतु सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। संलग्नक 1

रोटरी क्लब देहरादून के प्रतिनिधियों द्वारा रोटरी क्लब द्वारा की जा रही गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया जिसमें मुख्य रूप से मेडिकल कैम्प के बारे में जानकारी दी। रोटरी क्लब द्वारा की गतिविधियों को परियोजना क्षेत्र में सहकारिता के साथ जुडकर की जा सकती है। रोटरी क्लब की समाज सेवा से ग्रामीणों को लाभान्वित किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में गहनता से सभी प्रतिभागियों एवं रोटरी क्लब प्रतिनिधियों ने गहनता पूर्वक विचार विमर्श किया।

7 सितम्बर 2010

द्वितीय दिवस की शुरूआत प्रार्थना से की गई। प्रार्थना के बाद प्रथम दिन की गई चर्चाओं को दोहराया गया। सभी प्रतिभागियों ने अपने अनुभव निम्न प्रकार से बांटे कि उन्होंने क्या क्या सीखा।

टिहरी– विभिन्न बीमा योजनाओं, रोटरी क्लब के साथ जुड़कर सामाजिक गतिविधियां क्रियान्वयन करना, सहकारिता की विभिन्न धाराएं व अनुसूचियां।

चमोली– सहकारिता के लेखांकन, व्यापार व आढ़तियों तथा MIS के बारे में।

उत्तरकाशी– समूह में सब्जी उत्पादन को फेडरेशन के माध्यम से विपणन करना एवं उत्पाद की गुणवत्ता को निरन्तर बनाये रखना।

बागेश्वर– बैंके लिंकेज एवं बैंक की योजनाओं, इन्पुट–आउट सेन्टर, बैंक के साथ विधिवत कार्यवाही के बारे में।

अल्मोड़ा– फेडरेशन के माध्यम से समूहों के साथ किये जा रहे क्रय–विक्रय में पारदर्शिता के बारे में।

रायटर्स मार्केट लाईट जो कि SMS के द्वारा हिन्दी (स्थानीय) भाषा मे मौसम की जानकारी, फसलों की जानकारी, मंडियों में कीमतें और कृषि समाचार की सुविधा उपलब्ध कराता है। परियाजना द्वारा अप्रैल 10 से छः माह के लिए GTZ के सहयोग से कुल 81 परियोजना स्टाफ, NGO स्टाफ एवं फेडरेशन प्रतिनिधियों को यह सुविधा Pilot के तौर उपलब्ध कराई गई है। इस दौरान इस सुविधा का फालोअप लाभार्थियों के साथ फोन पर साक्षात्कार द्वारा किया गया। परिणाम रहा है कि SMS सुविधा से कृषक लाभान्वित हो रहे हैं। उन्हें मंडियों की कीमतों मौसम की जानकारी व फसलों की जानकारी से काफी लाभ मिला है। इसी क्रम में रायटर्स मार्केट लाईट द्वारा इसके फालोअप के लिए तथा अन्य फेडरेशन प्रतिनिधियों को विस्तृत जानकारी देने हेतु फेडरेशन प्रतिनिधियों को विस्तृत जानकारी दी गई।

SMS सुविधा को फेडरेशन के साथ बिजनेस के रूप में करने का प्रस्ताव भी रायटर्स मार्केट लाईट के द्वारा रखा गया। सहकारिताएं इन सेवाओं का उपयोग कर कैसे लाभ प्राप्त कर सकती है, इस संबंध में भी जानकारी दी।

ग्रीन एनर्जी कार्पोरेशन देहरादून के द्वारा पिरूल, लेन्टाना व अन्य घासफूंस से कोयला बनाने की विधि का प्रदर्शन किया गया। इससे बने कोयले को जलाकर दिखाया गया कि यह कम से कम 2 घन्टे जलता है। इसके साथ ही कोयला बनाने की प्रक्रिया को एक फिल्म के माध्यम से दिखाया गया। कोयला बनाने प्रस्तुतिकरण किया गया तथा ब्रिकेटिंग मशीन एवं उससे संबंधित अन्य उपकरणों की जानकारी उपलब्ध कराई।

महिला समाख्या की राज्य परियोजना निदेशक श्रीमती गीता गैरोला द्वारा बताया गया कि 9 सितम्बर 2010 को हिमालय दिवस मानाया जा रहा है। उन्होंने अवगत कराया कि यह दिवस संपूर्ण हिमालयी राज्यों व देशों में मनाया जा रहा है। इस दिवस पर जल, जंगल, जमीन से स्थानीय लोगों के जुडाव हेतु विभिन्न कार्यक्रम, कार्यशाला, पद यात्रा आदि का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यशाला में समूहों हेतु तैयार किए गये एम0आई0एस0 के फीडबैक तथा उसके उपयोग के संबंध में डा0 सुरेष मठपाल प्रबंधक अनुश्रवण एवं मूल्यांकन तथा सफल के प्रतिनिधि द्वारा जानकारी दी गई।

उत्तराखण्ड जैविक उत्पाद परिशद के प्रतिनिधि द्वारा जैविक उत्पादों के उत्पादन पैकेजिंग तथा विपणन की जानकारी दी गई।

उत्तराखण्ड महिला समेकित विकास योजना की प्रभारी सुश्री आरती बलोदी द्वारा महिला श्रम न्यूनीकरण, महिला स्वास्थ्य और जागरूकता के कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

प्रबंधक सामाजिक विकास द्वारा फैडरेशन के ब्रोशर एवं सहकारिताओं द्वारा किये जा रहे कार्यों का तुलनात्मक अध्ययन कर सहकारिताओं को अपने कार्यों में विशेषकर सदस्यों के आच्छादन में तेजी लाने हेतु प्रेरित किया गया।

अंत में प्रबंधक, ज्ञान प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्यौगिकी द्वारा समस्त प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए कार्यशाला के समापन की घोषणा की गई।

कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे सहकारिता प्रतिनिधियों द्वारा सहकारिताओं की गतिविधियों का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया गया तथा साथ ही भविष्य की कार्ययोजनाओं से अवगत कराया गया।

इसी के साथ कार्यशाला समापन किया गया।